Q1. वित्तीय विवरण से क्या आशय है? इसकी प्रकृति व उद्देश्यों का वर्णन करें?

Ans.

वित्तीय विवरणों का आशय सामान्यतः ऐसे किसी भी विवरण या प्रलेख से हो सकता है जिसमें व्यवसाय से संबंधित वित्तीय सूचनाएँ दी गई हों, लेकिन तकनीकी रूप में इसमें आय विवरण या लाभ-हानि खाता तथा आर्थिक चिट्ठे को शामिल किया जाता है। प्रो० जॉन. एन. मायर के अनुसार "वित्तीय विवरण किसी व्यावसायिक उपक्रम के खातों का सारांश प्रदान करते हैं। इसमें चिट्ठा किसी निश्चित तिथि को सम्पत्तियों, दायित्वों और पूँजी की स्थिति को स्पष्ट करता है और आय विवरण एक निश्चित अवधि में संचालन के परिणामों को दर्शाता है।"

("The financial statements provide a summary of the accounts of a business enterprises, the Balance sheets reflecting the assets, liabilities and capital as on a certain date and the income statements showing the results of operations during a certain period.") - John N. Myer.

इन विवरणों के पूरक के रूप में जो विभिन्न अनुसूचियाँ प्रस्तुत की जाती हैं, वे भी वित्तीय विवरणों का भाग मानी जाती हैं। इनमें स्थायी सम्पत्तियों की अनुसूची, देनदारों की अनुसूची इत्यादि महत्वपूर्ण हैं। सामान्य भाषा में वित्तीय विवरणों के उपर्युक्त समूहों को 'वार्षिक खाते' भी कहा जाता है।

* वित्तीय विवरणों के उद्देश्य
(Objectives of Financial statements) :—

वित्तीय विवरणों का मूल उद्देश्य व्यवसाय की वित्तीय स्थिति को दर्शाना और निर्णय लेने हेतु उपयोगी सूचनाएँ प्रदान करना है। विस्तृत रूप से वित्तीय विवरणों के उद्देश्य निम्नलिखित हैं:—

(P.T.O.)

(a) वित्तीय सूचनाएँ प्रदान करना → वित्तीय विवरणों का प्राथमिक उद्देश्य व्यवसाय के संबंध्य में विभिन्न और विश्वसनीय वित्तीय सूचनाएँ प्रदान करना है।

(b) अर्जन क्षमता की जानकारी → वित्तीय विवरण ऐसी वित्तीय सूचनाएँ प्रदान करते हैं जिससे व्यवसायिक उपक्रम की अर्जन स्थिति की जानकारी मिल सके और उसके आधार पर अर्जन क्षमता का अनुमान लगाया जा सके।

(c) वित्तीय स्थिति की जानकारी → वित्तीय विवरणों का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य व्यावसायिक इकाई के आर्थिक संसाधनों तथा दायित्वों के संबंध्य में विस्तृत एवं विश्वसनीय सूचनाएँ प्रदान करना है।

(d) वित्तीय स्थिति में परिवर्तन की जानकारी → वित्तीय विवरणों का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य यह भी है कि एक निश्चित अवधि में वित्तीय संसाधनों एवं दायित्वों में होने वाले परिवर्तनों को स्पष्ट करें। इसी दृष्टि से शेयर प्रवाह विवरण, कोष प्रवाह विवरण और विभिन्न अनुसूचियों को वित्तीय विवरणों में शामिल किया जाता है।

(e) वित्तीय पूर्वानुमान में सहायता → वित्तीय विवरणों का मुख्य उद्देश्य ऐसी सभी आवश्यक सूचनाएँ उपलब्ध कराना भी है जिनके आधार पर विश्वसनीय वित्तीय पूर्वानुमान लगाए जा सकें।

(f) प्रयोगकर्ताओं के लिए विविध सूचनाएँ → वित्तीय विवरणों का उद्देश्य यह भी होता है कि विवरणों के विभिन्न प्रयोक्ताओं अर्थात् विनियोगकर्ताओं, लेनदारों, वित्तीय संस्थाओं, स्टॉक विपणि, दलालों आदि की दृष्टि से भी यथा सम्भव सूचनाएँ प्राप्त हो सकें।

Scanned with CamScanner

* Nature of Financial Statement :—
(वित्तीय विवरणों की प्रकृति)

(i) संक्षिप्त विवरण → वित्तीय विवरण किसी व्यावसायिक इकाई के वित्तीय कार्यों के परिणामों, उपलब्धियों एवं कमियों का संक्षिप्त एवं निष्कर्षात्मक विवरण प्रस्तुत करते हैं।

(ii) लेखांकन अवधि के अन्त में प्रस्तुति → वित्तीय विवरण सामान्यः लेखांकन अवधि के अन्त में तैयार किए जाते हैं जिससे व्यवसाय में हित रखने वाले विभिन्न पक्षकार व्यवसाय की स्थिति की उचित जानकारी प्राप्त कर सकें और व्यवसाय में अपनी भूमिका के संबंध में उचित निर्णय ले सकें।

(iii) विश्वसनीयता का स्तर → वित्तीय विवरणों की विश्वसनीयता लेखांकन समंकों की विश्वसनीयता पर निर्भर करती है।

(iv) लेखांकन धारणाएँ एवं परम्पराएँ → वित्तीय विवरण लेखांकन से संबंधित विभिन्न धारणाओं, परम्पराओं एवं मान्यताओं के आधार पर तैयार किये जाते हैं।

(v) लेखापाल के व्यक्तिगत निर्णयों का प्रभाव → यद्यपि वित्तीय विवरणों में लेखांकन धारणाओं एवं वैधानिक प्रावधानों को ध्यान में रखा जाता है, लेकिन इन पर लेखापाल के व्यक्तिगत दृष्टिकोणों एवं निर्णयों का प्रभाव पड़ता है। इस दृष्टि से ह्रास की कौन-सी पद्धति अपनायी जाए? यह लेखापाल के व्यक्तिगत निर्णय से प्रभावित होते हैं

— o —

Scanned with CamScanner